

सत्रीय पाठ्यक्रम
सत्र 2018 – 19
कक्षा दसवीं
विषय गणित
Course Structure

Units	Unit Name	Marks
I	NUMBER SYSTEMS	06
II	ALGEBRA	20
III	COORDINATE GEOMETRY	06
IV	GEOMETRY	15
V	TRIGONOMETRY	12
VI	MENSURATION	10
VII	STATISTICS & PROBABILITY	11
Total		80
Internal assessment		20
Grand Total		100

Schedule for Periodic Assessments and CASExam. of Session 2018-19

Schedule	Months for PA's	Syllabus covered
Mid Term Examination - 2018(Periodic Assessment-I)	September 2018	Ch-1,Ch-2,Ch-3,,Ch-4,Ch-5,Ch-6,Ch-7, Ch-14, Ch-15
Periodic Assessment-II	December 2018	Ch-1,Ch-2,Ch-3,,Ch-4,Ch-5,Ch-6, Ch-7,Ch-8, Ch-9, Ch-10,Ch-11,Ch-12, Ch-14 ,Ch-15
Periodic Assessment-III	January 2019	Ch-1 to Ch-15
Common Annual School Examination 2018-19	March 2019	Ch-1 to Ch-15

The assessment format and weightage of marks for class X will be as under:

Class	PA-I	PA-II	Assessment Of Note book	Subject Enrichment Activity	CASE	Total
X	5	5	5	5	80	100

Note: Consider the marks of two best Periodic Assessments out of three Periodic

Assessments for INTERNAL ASSESSMENT

Note book submission (05Marks):

Notebook submission as a part of Internal Assessment is aimed at enhancing seriousness of students towards preparing notes on the topics being taught in the classroom as well as the assignments. This also addresses the critical aspect of regularity, punctuality neatness and notebook upkeep.

Subject Enrichment Activities (05 Marks):

Here are subject specific application activities imbed at enrichment of the understanding and skill development. These activities are to be recorded internally by the concerned subject teacher.

Guidelines issued by CBSE for classes IX & X to be followed by all the Govt & Govt Aided Schools.

सत्रीय पाठ्यक्रम(सत्र 2018 – 19)

माह	विषयवस्तु
	प्रथम सत्र
अप्रैल 2018 से सितम्बर 2018	<p>अध्याय 1: वास्तविक संख्याएँ युक्लिड की विभाजन प्रमेयिका (lemma), अंकगणित की आधारभूत प्रमेय के कथन – पहले किए गए कार्यों की समीक्षा तथा उदाहरणों द्वारा प्रेरित करने व समझाने के बाद। $\sqrt{2}$, $\sqrt{3}$ और $\sqrt{5}$ की अपरिमेयता के प्रमाण। अपरिमेय संख्याओं का सांत, असांत आवर्ती दशमलव के रूप में प्रदर्शन।</p> <p>अध्याय 2: बहुपद बहुपद के शून्यक। द्विघातीय बहुपदों के शून्यकों और गुणांकों में संबंध, बहुपदों के वास्तविक गुणांकों के लिए विभाजन एल्गोरिथ्म से जुड़े कथन और साधारण समस्याएँ।</p> <p>अध्याय 3: दो चर वाले रैखिक समीकरण युग्म दो चरों वाले रैखिक समीकरण युग्म और उनका ग्राफीय विधि द्वारा हल, संगत / असंगत। विभिन्न समाधानों के लिए बीजगणितीय स्थितियाँ। एक रैखिक समीकरण युग्म को हल करने की बीजगणितीय विधियाँ : प्रतिस्थापन विधि, विलोपन विधि और वज्र गुणन विधि। सरल स्थितियों वाली समस्याएँ। रैखिक समीकरणों में परिवर्तित की जा सकने वाली, समीकरणों पर आधारित साधारण समस्याएँ।</p> <p>अध्याय 4: द्विघात समीकरण द्विघात समीकरण का मानक रूप $ax^2 + bx + c = 0$, ($a \neq 0$) गुणनखंडों द्वारा द्विघात समीकरण का हल (केवल वास्तविक मूल), पूर्ण वर्ग</p>

बनाने की विधि द्वारा, द्विघात सूत्र द्वारा हल। मूलों की प्रकृति और विविक्तकर (discriminant) के बीच संबंध।

द्विघात समीकरणों पर आधारित दैनिक जीवन से जुड़ी समस्याएँ

अध्याय 5: समांतर श्रेणी (A.P.)

समांतर श्रेणी का n वां पद और इसके प्रथम n पदों का योग ज्ञात करने के लिए अभिप्रेरित करना। दैनिक जीवन से जुड़ी समस्याओं को हल करने में इनका प्रयोग।

अध्याय 6: त्रिभुज

परिभाषाएँ, उदाहरण, समरूप त्रिभुजों के विरोधात्मक उदाहरण (Counter example)

(सिद्ध करना) यदि किसी त्रिभुज की एक भुजा के समांतर अन्य दो भुजाओं को भिन्न-भिन्न बिंदुओं पर प्रतिच्छेद करने के लिए एक रेखा खींची जाए, तो ये अन्य दो भुजाएँ एक ही अनुपात में विभाजित हो जाती हैं।

(अभिप्रेरणा) यदि एक रेखा किसी त्रिभुज की दो भुजाओं को एक ही अनुपात में विभाजित करे, तो वह तीसरी भुजा के समान्तर होती है।

(अभिप्रेरणा) यदि दो त्रिभुजों में, संगत कोण बराबर हों, तो उनकी संगत भुजाएँ एक ही अनुपात में (समानुपाती) होती हैं और इसलिए दोनों त्रिभुज समरूप होते हैं।

(अभिप्रेरणा) यदि दो त्रिभुजों में एक त्रिभुज की भुजाएं दूसरे त्रिभुज की भुजाओं के समानुपाती (अर्थात् एक ही अनुपात में) हों, तो इनके संगत कोण बराबर होते हैं और इसलिए दोनों त्रिभुज समरूप होते हैं।

(अभिप्रेरणा) यदि एक त्रिभुज का एक कोण दूसरे त्रिभुज के एक कोण के बराबर हो तथा इन कोणों को अंतर्गत करने वाली भुजाएँ समानुपाती हों, तो दोनों त्रिभुज समरूप होते हैं।

(अभिप्रेरणा) यदि किसी समकोण त्रिभुज के समकोण वाले शीर्ष से कर्ण पर लंब डाला जाए तो इस लंब के दोनों ओर बने त्रिभुज संपूर्ण त्रिभुज के समरूप होते हैं तथा परस्पर भी समरूप होते हैं।

(सिद्ध करना) दो समरूप त्रिभुजों के क्षेत्राफलों का अनुपात इनकी संगत भुजाओं के अनुपात के वर्ग के बराबर होता है।

(सिद्ध करना) एक समकोण त्रिभुज में कर्ण का वर्ग शेष दो भुजाओं के वर्गों के योग के बराबर होता है।

(सिद्ध करना) यदि किसी त्रिभुज की एक भुजा का वर्ग अन्य दो भुजाओं के वर्गों के योग के बराबर हो तो पहली भुजा का सम्मुख कोण समकोण होता है।

अध्याय 7: निर्देशांक ज्यामिति

	<p>रेखाएँ (द्विविमीय) समीक्षा : निर्देशांक ज्यामिति की अवधारणा, रैखिक समीकरणों के आलेख, दूरी सूत्र, विभाजन सूत्र (आंतरिक रूप से विभाजित), त्रिभुज का क्षेत्रफल।</p> <p>अध्याय 14: सांख्यिकी वर्गीकृत आंकड़ों का माध्य, माध्यक तथा बहुलक (द्विबहुलक स्थिति नहीं करनी)। संचयी बारम्बारता आलेख।</p> <p>अध्याय 15: प्रायिकता प्रायिकता की परम्परागत परिभाषा। एक घटना पर आधारित साधरण समस्याएँ (set notation का प्रयोग किए बिना) <ul style="list-style-type: none"> ➤ मैन्टल मैथ, मैथ लैब क्रियाकलाप एवं YUVA सेशन। ➤ प्रथम आवधिक परीक्षा के पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति। </p>
	द्वितीय सत्र
अक्तूबर 2018 से नवम्बर 2018	<p>अध्याय 8: त्रिकोणमिति का परिचय समकोण त्रिभुज के किसी एक न्यून कोण के त्रिकोणमितीय अनुपात। इनके अस्तित्व की उपपत्ति (सुपरिभाषित) 0° और 90° पर परिभाषित अनुपातों की अभिप्रेरणा। 30°, 45° और 60° के त्रिकोणमितीय अनुपातों के मान (उपपत्ति सहित)। विभिन्न त्रिकोणमितीय अनुपातों के बीच संबंध। सर्वसमिका $\sin^2 A + \cos^2 A = 1$ की उपपत्ति और अनुप्रयोग (केवल साधरण सर्वसमिकाएँ दी जाएँ)। पूरक कोणों को त्रिकोणमितीय अनुपात।</p> <p>अध्याय 9: त्रिकोणमिति के कुछ अनुप्रयोग ऊँचाइयाँ और दूरियाँ – उन्नयन कोण, अवनमन कोण, ऊँचाइयों और दूरियों से जुड़ी साधरण समस्याएँ (दो से अधिक समकोण त्रिभुजों वाले प्रश्न नहीं करने)। केवल 30°, 45° और 60° के उन्नयन/अवनमन कोण।</p> <p>अध्याय 10: वृत्त वृत्त के किसी बिन्दु पर स्पर्श रेखा (सिद्ध करना) वृत्त के किसी बिन्दु पर स्पर्श रेखा, स्पर्श बिन्दु से जाने वाली त्रिज्या पर लंब होती है। (सिद्ध करना) बाह्य बिन्दु से वृत्त पर खींची गई स्पर्श रेखाओं की लंबाइयाँ बराबर होती हैं।</p> <p>अध्याय 11: रचनाएँ एक रेखाखण्ड को दिए गए अनुपात में विभाजित करना(आंतरिक)। वृत्त के किसी बाहरी बिन्दु से इस पर स्पर्श रेखा की रचना। दिए</p>

	<p>गए त्रिभुज के समरूप एक त्रिभुज की रचना करना।</p> <p>अध्याय 12 : वृत्तों से संबन्धित क्षेत्रफल वृत्त के क्षेत्रफल की अभिप्रेरणा। वृत्त के वृत्तखंड और त्रिज्यखंड के क्षेत्रफल। समतल आकृतियों के परिमाण, परिधि और क्षेत्रफल पर आधारित समस्याएँ (केन्द्रीय कोण केवल 60°, 90° और 120°) समतल आकृतियाँ जैसे त्रिभुज, साधारण चतुर्भुज और वृत्त ही लिए जाएँ।</p> <p>अध्याय 13 : पृष्ठीय क्षेत्रफल और आयतन निम्न किन्हीं दो के संयोजनों का पृष्ठीय क्षेत्रफल और आयतन : घन, घनाभ, गोला, अर्धगोला और लंब वृत्तीय बेलन, शंकु, एक शंकु का छिन्नक। एक प्रकार के धात्विक ठोस को दूसरे धात्विक ठोस में बदलने पर आधारित समस्याएँ और अन्य मिश्रित समस्याएँ। (दो से अधिक विभिन्न ठोसों के संयोजन वाली, समस्याएँ न ली जाएँ)</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ मैन्टल मैथ, मैथ लैब क्रियाकलाप एवं YUVA सेशन। ➤ द्वितीय आवधिक परीक्षा के पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
<p>दिसम्बर 2018 से मार्च 2019</p>	<ul style="list-style-type: none"> ❖ संपूर्ण पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति। ❖ सहायक सामग्री की पुनरावृत्ति। ❖ सी.बी.एस.ई. तथा शिक्षा निदेशालय द्वारा उपलब्ध कराए गए आदर्श प्रश्नपत्रों का अभ्यास।